



GEDICHTE

von GRAF A. TOLSTOI.

(Deutsch von LINA ESBEER).

MUSIK

von

CAESAR CUL.

Op. 67.

Preis Rh. 2.50.



Eigentum des Verlegers

P. Jurgenson,

Kommissionär der Kaiserl. Hof Sänger kapelle, der Kaiserl. Russischen Musik-Gesellschaft
und des Konservatoriums in Moskau.

MOSKAU. | LEIPZIG.

St.-Petersburg, bei J. Jurgenson.

Notendruckerei von P. Jurgenson in Moskau.

Оглавление.

| № | | Стр. |
|-----|-------------------------------------|------|
| 1. | Ой, ка-бъ Волга матушка | 5 |
| 2. | Горинми тихо летьла | 9 |
| 3. | Змѣя, что по скаламъ | 13 |
| 4. | Ужъ ты, нива моя | 16 |
| 5. | Грядой клубится | 19 |
| 6. | Звонче яицоронка иѣнье | 20 |
| 7. | Коль любить, такъ безъ разсудку . | 22 |
| 8. | Къ страданіямъ чужимъ | 23 |
| 9. | На нивы желтыя | 25 |
| 10. | Осень! Обсынается | 27 |
| 11. | Слушая повѣсть твою | 29 |
| 12. | Надъ неистинной крутизною . | 33 |
| 13. | Клонить къ зѣни | 36 |
| 14. | Ты поминши-ли вечеръ | 38 |
| 15. | Вы все любуетесь на скалы | 42 |
| 16. | Какъ чудесно хороши вы | 44 |
| 17. | Обычной полнай печали | 46 |
| 18. | Солнце жгеть | 48 |

In h a l t.

| № | | Pag. |
|-----|--------------------------------------|------|
| 1. | Ach, wenn Mutter Wolga | 5 |
| 2. | Langsam durchschwebt | 9 |
| 3. | O, Schlang, die über Fels | 13 |
| 4. | O, du trautes | 16 |
| 5. | Als weisser Wolkenknäuel | 19 |
| 6. | Der Frühling | 20 |
| 7. | Von ganzem Herzen | 22 |
| 8. | Ein jedes fremde Leid | 23 |
| 9. | Das gelbe Ährenfeld | 25 |
| 10. | Herbst ist's | 27 |
| 11. | Seit mir dein Lebenslauf kund . | 29 |
| 12. | Den steilen Abhang | 33 |
| 13. | Träge schläfert | 36 |
| 14. | Gedenkst du des Abends | 38 |
| 15. | Ihr staund die Felsen an | 42 |
| 16. | Wie berückend ist | 44 |
| 17. | Wie stets erfüllt v. tiefer Trauer . | 46 |
| 18. | Sonne sticht | 48 |